महिला के गले से डॉक्टरों ने निकाला 1 किलो ट्यूमर

लीलावती में सफल सर्जरी, महिला को मिला जीवनदान

■ मुंबई, नवभारत न्यूज नेटवर्क. 33 वर्षीय महिला मरीज की गर्दन से 1 किलो वजन का थायराइड ट्यूमर निकालने में लीलावती अस्पताल के डॉक्टरों को सफलता हासिल हुई हैं. अस्पताल के थायराइड एवं एंडोक्राइन सर्जन डॉ. रीतेश अग्रवाल, कार्डियक सर्जन डॉ. कृष्णा प्रसाद और ईएनटी सर्जन डॉ. प्रीति ढींगरा के नेतृत्व में एक टीम ने यह सफल सर्जरी की है. सर्जरी करीब पांच घंटे तक चली. इस सर्जरी में डॉ. वैभवी बख्शी ने मरीज को उचित एनेस्थीसिया दिया. प्रिशा शेट्टी (बदला हुआ नाम) पुणे की रहने वाली हैं. महिला पिछले 2 वर्षों से तीव्र श्वसन संकट से पीड़ित थी. कई डॉक्टरों से इलाज कराया, पर हालत में सुधार नहीं हो रहा था. महिला की बिगड़ती हालत को देखते हुए परिवार ने उसे लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया. यहां मेडिकल जांच के बाद पता चला कि महिला के गले में ट्यूमर है. फिर एक्स-रे, सीटी स्कैन और थायराइड फंक्शन टेस्ट किए गए. इसके बाद महिला की सर्जरी की गई.

डॉक्टरों ने जटिल ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया

■ सर्जन डॉ. रितेश अग्रवाल ने कहा कि थायराइड ट्यूमर एक ऐसी स्थिति है, जहां गांठें बनने के कारण थायराइड ग्रंथि बढ़ जाती है. इस महिला की थायराइड ग्रंथि बढ़ गई थी और गंडमाला विकसित हो गई थी.

■ इससे ऑक्सीजन की उचित आपूर्ति नहीं हो पाती है और मरीजों को सांस लेने में समस्या का सामना करना पड़ता है. ऐसे मामलों में गंडमाला को ठीक से हटाने के लिए छाती की हड्डी को काटना आवश्यक है.

■ हमने उरोस्थि को काटे बिना केवल गर्दन से ऑपरेशन किया और छाती को खोले बिना पूरे घेंघा को सफलतापूर्वक हटा दिया. महिला के गले से 1 किलो वजनी थायराइड ट्यूमर को निकालकर नई जिंदगी दी है. इस सफल सर्जरी ने थायराइड सर्जरी के क्षेत्र में एक नया मानक स्थापित किया है.